इसके अनुसार समानता के सिद्धांत उदार राजनीतिक व्यवस्था का विचार उपयुक्त नहीं है। सभी को अपनी रीति-रिवाजों को मानने का अधिकार होना चाहिए।

→ समुदायवादियों का विचार (समानता पर)

① यह उदारवादियों के विचारों को नजरअंदाज करते हैं तथा यह समानता के सार्वभौमिक मानक की स्थापना की बात करते हैं।

② उदारवादियों के अनुसार व्यक्ति मूल इकाई है।

③ रॉल्स प्राथमिक उत्पादों (Primary goods) की समानता की बात करते हैं।

समुदायवादियों के अनुसार ① कोई सार्वभौमिक मानदंड नहीं है ② यह समाज और संस्कृति के आधार पर समानता की बात करते हैं।

④ प्रत्येक वस्तु का सामाजिक संदर्भ होता है।

→ Walzar :- (समुदायवादी) "जटिल समानता" (complex equality)

समुदाय के अनेक प्रकार होते हैं, जिसमें परिवार, राज्य, बाजार, चर्च इत्यादि शामिल होते हैं।

Walzar ने "Sphere of justic" नामक पुस्तक लिखी।

अतः समानता भी अनेक प्रकार की होगी इसलिए यह जटिल समानता है।